गगास

द्विमासिक ई पत्रिका

अंक-05

डॉ0 प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय, भिकियासैंण (अल्मोड़ा)

जून -जुलाई2025

“What is now proved was once only imagined”

William Blake

सम्पादक मण्डल

सम्पादक– डॉ० इला बिष्ट, असि० प्रो० समाजशास्त्र

सहसम्पादक– डॉ० परितोष उप्रेती, असि० प्रो० भूगोल

छात्रा सम्पादक– निशा रावत, बी०ए० पंचम सेमेस्टर
छात्र सम्पादक– सुमित बिष्ट, बी०ए० पंचम सेमेस्टर

तकनीकी सहयोग– श्री पूरन सिंह जलाल

सलाहकार– 1– डॉ० दीपा लोहनी, असि० प्रो० इतिहास
2– डॉ० सुभाष चन्द्र आर्य, असि० प्रो० हिन्दी

आवरण : हर्षिता पांडे

संरक्षक एवं प्राचार्य

प्रो० शर्मिला सक्सेना,
प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय, भिकियासैंण (अल्मोड़ा)

विषयानुक्रमणिका

01- शुभकामना संदेश

02- सम्पादकीय

03- विद्यार्थियों की कलम से

04- अतिथि की कलम से

05- कुल गीत

06- उपलब्धियां

07- अखबार से

08- मीमांसा

09- महाविद्यालय परिवार

10- इनफॉरमेशन डेस्क

प्रो. (डा०) कमल किशोर पांडेय
निदेशक (उच्च शिक्षा)

उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखण्ड
हल्द्वानी-263139 (नैनीताल)
Email - highereducation.director@gmal.com

संदेश

महोदय,

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि डा० प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय, अल्मोड़ा अपनी द्विमासिक ई-पत्रिका 'गागास' के चतुर्थ संस्करण का प्रकाशन करने जा रहा है।

'गागास' में विद्यार्थियों के रचनात्मक सृजन के विकास के साथ-साथ संस्था से जुड़ी विभिन्न उपलब्धियों को भी भलीभाँति प्रतिबिम्बित किया गया है। गौरव की बात है कि महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के प्रति जुड़ाव, परंपराओं के उन्नयन एवं आधुनिक जीवन की चुनौतियों के अनुरूप ढाल रहा है। आशा है चिंतन, मनन, सृजन और नवाचार का यह क्रम अनवरत रहेगा।

मैं, उक्त पत्रिका के प्रकाशन हेतु महाविद्यालय के प्राचार्य, सम्पादक मंडल, प्राध्यापकगण, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को बधाई व शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ ।

(प्रो० के० के० पांडेय)

Mo.9412164240
8954618138

पारस

शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था (सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

प्रधान कार्यालयः गायत्री भवन, गाँधीनगर, भिकियासैन-263667 (अल्मोड़ा) उत्तराखण्ड

E-mail: kuber.kskarakoti@gmail.com

शुभकामना संदेश

राजकीय महाविद्यालय भिकियासैन, अल्मोड़ा की प्रबुद्ध प्राचार्या तथा विद्वान प्राध्यापक वर्ग ~~के~~ के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समय-समय पर विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों का संचालन किया जाता रहा है। इसी कड़ी में द्वि ~~मासिक~~ ई-पत्रिका 'गगास' का प्रकाशन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षा जगत से जुड़े अन्य लोगों के लिए भी यह पत्रिका लाभदायक एवं प्रेरणाप्रद सिद्ध होगी।

कोई भी पत्रिका संस्था व समाज के लिए संजीवनी का कार्य करती है, पत्रिका में संकलित बहुआयामी कलेवरयुक्त जानकारियाँ सभी के लिए उपयोगी, अनुकरणीय तथा ज्ञानवर्द्धक होती हैं। उसकी मिठास और सुगन्ध सकारात्मक चिन्तन, प्रखर प्रज्ञा एवं नवीन उत्साह की पावन त्रिवेणी मन-मस्तिष्क में प्रवाहित करती रहती है।

इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु 'गगास' पत्रिका के चतुर्थ अंक प्रकाशन की सफलता की कामना करते हुए महाविद्यालय परिवार द्वारा इस तरह के उपयोगी कार्यों की सराहना करता हूँ तथा अनन्त शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

भवदीय

5/8/24

(कुबेरसिंह कड़ाकोटी)

शैलेश मटियानी शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त शिक्षक

संस्थापक- पारस शैक्षिक एवं सामाजिक संस्था

एवं

पारस पुस्तकालय एवं वाचनालय

भिकियासैन

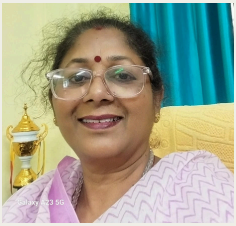

प्रो० (डा०) शर्मिला सक्सेना

प्राचार्य का संदेश

महाविद्यालय की पत्रिका गगास के सतत प्रयास से हृदय आनंदित है। उक्त पत्रिका का पंचम अंक संपूर्ण महाविद्यालय को प्रतिबिंबित करता हुआ आपके समक्ष प्रस्तुत हो गया है। इसके लिए संपादक मंडल धन्यवाद का पात्र है। विद्यार्थियों के समग्र विकास के क्रम में यह निरंतर बना रहना आवश्यक है। आशा है गगास का स्तर बेहतर होता जाएगा। अनंत शुभकामनाओं सहित।

प्राचार्य
प्रो० (डा०) शर्मिला सक्सेना

सम्पादकीय

गगास पत्रिका के इस अंक में आपका हार्दिक स्वागत है। यह पत्रिका हमारी सृजनात्मकता, विचारों और भावनाओं का एक मंच है, जो हमें एक-दूसरे के करीब लाता है। आज के इस दौर में, जब तकनीक और बदलते सामाजिक परिदृश्य हमें नई चुनौतियों और अवसरों से रूबरू करा रहे हैं, यह जरूरी है कि हम अपनी जड़ों को न भूलें और साथ ही भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

इस अंक में हमने विविधता को अपनाया है—कहानियों, लेखों और चित्रों के माध्यम से हमने समाज, संस्कृति और व्यक्तिगत अनुभवों को उकेरने की कोशिश की है। हमारी कोशिश है कि हर पाठक को कुछ न कुछ ऐसा मिले, जो उनके दिल को छू जाए और उनके विचारों को नई दिशा दे।

आज के समय में शिक्षा और जागरूकता का महत्व पहले से कहीं अधिक है। हमारी पत्रिका का उद्देश्य न केवल मनोरंजन करना है, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना भी है। ह
अंत में, मैं अपनी पूरी टीम की ओर से आप सभी का आभार व्यक्त करती हूँ, जिनके समर्थन और योगदान से यह अंक संभव हो पाया है। आइए, इस साहित्यिक यात्रा में एक साथ चलें और नई कहानियों, नए विचारों को जीवंत करें।

निशा रावत
छात्रा संपादक
बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

विकसित भारत 2047

विकसित भारत 2047, देश को 2047 तक एक आत्मनिर्भर और समृद्ध अर्थव्यवस्था में बदलने के लिए सरकार का विज़न है। आर्थिक विकास, तकनीकी उन्नयन, बुनियादी ढाँचे का विकास, सामाजिक सशक्तिकरण और स्थिरता इस कार्यक्रम के मानदंड हैं। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कदम केंद्रीय बजट 2025-26 में निर्धारित किए गए थे, क्योंकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अंतरिम बजट में उल्लिखित समग्र रणनीति के अनुरूप अवसर पैदा करने और प्रगति को गति देने के लिए कुछ प्राथमिकताओं की घोषणा की थी।

- शून्य-गरीबी
- शत-प्रतिशत अच्छी गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा
- उच्च गुणवत्ता वाली, किफायती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच
- सार्थक रोजगार के साथ सौ प्रतिशत कुशल श्रमिक
- आर्थिक गतिविधियों में सत्तर प्रतिशत महिलाएं;
- किसान हमारे देश को 'विश्व की खाद्य टोकरी' बना रहे हैं

विकसित भारत का अर्थ

'विकसित भारत' का अर्थ है 'विकसित भारत।' विकसित भारत 2047, 2047 में स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक भारत को पूर्ण रूप से विकसित राष्ट्र बनाने के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए सरकार का दृष्टिकोण है। यह दृष्टिकोण चार स्तंभों पर आधारित है: युवा (युवा), गरीब (गरीब), महिलाएं (महिलाएं), और अन्नदाता (किसान)।

केंद्रीय बजट 2025-26, स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ तक भारत को एक समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के 'विकसित भारत 2047' विजन के अनुरूप कई पहल लेकर आया है। प्रमुख घोषणाएँ इस प्रकार हैं:

आयकर सुधार: घरेलू मांग बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए, सरकार ने व्यक्तिगत आयकर छूट की सीमा ₹8 लाख से बढ़ाकर ₹12 लाख कर दी है। इससे घरेलू उपभोग, बचत और निवेश में वृद्धि होगी।

कृषि विकास: कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए 1.7 करोड़ किसानों को लाभ पहुँचाने हेतु एक उच्च उपज वाली फसल योजना शुरू की गई है। बजट में किसानों को रियायती ऋण देने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने का प्रस्ताव है।

एमएसएमई और स्टार्टअप्स को समर्थन: बजट में उन्नत ऋण गारंटी योजनाओं के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप्स के लिए ऋण बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक विकास में योगदान देते हुए नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

बुनियादी ढाँचा निवेश: सरकार बुनियादी ढाँचे के विकास, आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और रोज़गार के अवसर पैदा करने के लिए पूंजीगत व्यय में मामूली वृद्धि करने की योजना बना रही है। इसमें दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने के लिए परिवहन, ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश शामिल है।

विकसित भारत@2047: दृष्टि, उद्देश्य और महत्व

विकसित भारत @2047 पहल का उद्देश्य 2047 में अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में विकसित करना है। यह दूरदर्शी योजना प्रभावी शासन के साथ समावेशी विकास और सतत विकास पर केंद्रित है। इस परिवर्तन की कुंजी भारत के युवाओं की सक्रिय भागीदारी है, जिन्हें परिवर्तन के वाहक और प्राप्तकर्ता दोनों के रूप में देखा जाता है। यह दृष्टिकोण नवाचार और उन्नति के साथ-साथ आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देता है, जिससे विकसित भारत 2047 की उपलब्धि में तेज़ी आती है।

विकसित भारत 2047 के उद्देश्य

विकसित भारत का प्राथमिक लक्ष्य सभी नागरिकों की समावेशी आर्थिक भागीदारी के माध्यम से 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलना है। इसका लक्ष्य केवल दो दशकों के भीतर भारत की अर्थव्यवस्था को 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचाना है। इसकी रणनीति बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, सामाजिक कल्याण योजनाओं का विस्तार करने, आर्थिक विकास को गति देने, सतत विकास को बढ़ावा देने और जीवन-यापन में सुगमता तथा व्यवसाय करने में सुगमता को बढ़ाने पर केंद्रित है।

शून्य गरीबी

- वंचितों को सशक्त बनाने और समावेशी विकास को बढ़ावा देने की दिशा में बहुआयामी दृष्टिकोण के माध्यम से विकसित भारत 2047 में शून्य गरीबी का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।
- साथ ही, खाद्य सुरक्षा योजनाओं से 80 करोड़ से ज़्यादा भारतीय लाभान्वित हो रहे हैं। दुनिया की सबसे बड़ी जन-धन योजना ने बैंकिंग तक पहुँच प्रदान करके करोड़ों लोगों को सशक्त बनाया है और वित्तीय सशक्तीकरण सुनिश्चित किया है।
- आकांक्षाओं को पूरा करने, कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा करने तथा विशेष सहायता तंत्र के माध्यम से दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया है।
- तीन करोड़ से अधिक ग्रामीण गरीबों को बुनियादी सुविधाओं के साथ किफायती घर उपलब्ध कराकर जनजातीय विकास को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

किसान कल्याण

- पीएम किसान, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसी कई योजनाएं वित्तीय सुरक्षा और फसल हानि के जोखिम से सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, जिससे करोड़ों किसानों को लाभ मिलता है।
- सरकार ने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से सिंचाई सुविधाओं के विकास और 1 लाख करोड़ रुपये की वित्त पोषण सुविधा के साथ कृषि अवसंरचना विकास पर भी जोर दिया है।
- किसान क्रेडिट कार्ड, कृषि अवसंरचना कोष और स्वामित्व योजना जैसी योजनाएं किसानों को बेहतर संसाधन, बेहतर ऋण उपलब्धता और उन्नत स्वामित्व के साथ सशक्त बनाने के लिए बनाई गई हैं।
- पीएम-प्रणाम योजना जैविक खेती और टिकाऊ उर्वरक उपयोग को बढ़ावा देती है, जिससे समृद्ध, आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र की परिकल्पना में सुधार होता है।

महिला सशक्तिकरण

- लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33% सीटों का आरक्षण तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को कोटा की गारंटी देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला नेतृत्व को बढ़ावा दे रहा है।
- तीन तलाक को अपराध घोषित किये जाने से मुस्लिम महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा में वृद्धि हुई है।
- वित्तीय समावेशन के प्रयासों के तहत 28 करोड़ से अधिक महिलाओं ने जन-धन खाते खोले हैं, तथा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्टैंड अप इंडिया की अधिकांश लाभार्थी महिलाएं हैं।
- जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन और पीएमएमवीवाई के तहत मातृत्व लाभ में वृद्धि जैसी पहलें भी भारत में महिलाओं की समावेशिता और सशक्तिकरण की संस्कृति को बढ़ावा देती हैं।

शिक्षा

- चयनित पीएम श्री स्कूलों के लिए पहली किस्त के रूप में लगभग 630 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं, और 12 संस्थानों को उत्कृष्ट संस्थान घोषित किया गया है।
- निष्ठा टीचर्स होलिस्टिक एजुकेशन, विद्यांजलि मेंटरिंग और निपुण भारत जैसी पहलें आधारभूत साक्षरता, अनुकूल पाठ्यक्रम और क्रेडिट आधारित शिक्षा पर जोर देती हैं।
- कौशल भारत मिशन और प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना ने लाखों लोगों को कुशल बनाया है, और समर्थ उद्योग केंद्र उद्योग 4.0 के लिए कार्यबल तैयार कर रहे हैं।
- देश भर में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित कर रही हैं, जबकि मणिपुर में पहला राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय एक मील का पत्थर है।
- उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण ज़ांज़ीबार और अबू धाबी में आईआईटी परिसरों की स्थापना के साथ प्रगति पर है, जिसे फंड ऑफ फंड्स और स्टार्ट अप इंडिया फंड स्कीम जैसी योजनाओं द्वारा समर्थन दिया जा रहा है।

मध्यम वर्ग के लिए सुधार

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 2.5 करोड़ से अधिक मकान उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि एसबीएम ग्रामीण और इसके चरण II ने बड़े पैमाने पर शौचालय निर्माण और महिलाओं के नेतृत्व वाले अपशिष्ट प्रबंधन के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ाया है।
- अमृत जैसी शहरी योजनाओं ने जल और सीवर कनेक्शनों को बढ़ाया है और हरित स्थानों को सक्षम बनाया है, तथा हर घर जल के तहत प्रत्येक ग्रामीण घर में नल का जल उपलब्ध कराया जा रहा है।
- रोजगार मेला अभियान के तहत 10 लाख नौकरियां सृजित करने का प्रयास किया जा रहा है और इससे 5.5 करोड़ नए ईपीएफओ ग्राहक जुड़े हैं, जिससे आर्थिक स्थिरता को और बढ़ावा मिला है।

स्वास्थ्य देखभाल

- पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन और डिजिटल मिशन हजारों स्वास्थ्य केंद्रों और लाखों पंजीकृत स्वास्थ्य खातों के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत कर रहे हैं।
- ई-संजीवनी ओपीडी और पीएम जन औषधि योजना जैसी पहल गुणवत्तापूर्ण देखभाल और दवाओं की पहुंच और सामर्थ्य को बढ़ाती हैं।
- नशा मुक्त भारत अभियान और बाल स्वास्थ्य एवं पोषण मिशन इंद्रधनुष के माध्यम से अंगदान और नशा पर निर्भर लोगों के पुनर्वास की पहल भारत में एक स्थायी स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र का नेतृत्व कर रही है।

राष्ट्रीय सुरक्षा

- देश की मजबूत रक्षा क्षमताएं स्वदेशी रूप से विकसित हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टरों और अग्रणी अग्निपथ योजना के शामिल होने से प्रमाणित होती हैं, जो युवा, उच्च तकनीक वाले सैनिकों के साथ सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करती है।
- उग्रवादी घटनाओं में भारी कमी तथा सफलतापूर्वक किये गए सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद निरोधी उपायों में भारत की सफलता को दर्शाते हैं।

- अतिरिक्त उपायों में अनुच्छेद 370 को निरस्त करना तथा जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख सहित अन्य क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाना शामिल है; इससे इन क्षेत्रों में स्थिरता और समृद्धि आई है।

आर्थिक विकास

- जीएसटी कार्यान्वयन ने बाजार को एकजुट कर दिया है, और आधार-डीबीटी और यूपीआई जैसी डिजिटल पहलों ने भुगतान में क्रांति ला दी है।
- एमएसएमई क्षेत्र में पीएम मुद्रा, स्टार्टअप इंडिया और पीएम जन धन योजना सुधारों से वित्तीय समावेशन और रोजगार का विस्तार हुआ है, और सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने दक्षता में वृद्धि की है।

व्यापार करने में आसानी

- भारत ने सरलीकरण, पारदर्शिता और अनुपालन में कमी पर जोर देते हुए व्यापार सुविधा की दिशा में जबरदस्त प्रगति की है।
- सरकार ने 41,000 अनावश्यक अनुपालनों को हटा दिया है और विशिष्ट कंपनी कानून प्रावधानों को गैर-अपराधीकृत कर दिया है, जिससे व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र अधिक सुविधाजनक बन रहा है।
- कर सुधारों से कॉर्पोरेट कर का बोझ और कम हो गया है तथा पीएलआई योजना और राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली के कार्यान्वयन से विनिर्माण और निवेश में तेजी आ रही है।

आधारभूत संरचना

- भारत में बुनियादी ढांचे का विकास पीएम गति शक्ति जैसी पहलों के माध्यम से बढ़ा है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं के परिवहन और रोजगार सृजन में वृद्धि हुई है और नागरिकों के जीवन में सुधार हुआ है।
- भारत ने सड़क, रेलवे, वायु और जलमार्ग नेटवर्क का विस्तार किया है, तथा यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर और वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी उपलब्धियों ने भारत की इंजीनियरिंग क्षमताओं को उजागर किया है।
- उड़ान योजना ने आम जनता के लिए हवाई यात्रा को भी सस्ता बना दिया है।

तकनीकी

- चंद्रयान-3 जैसे प्रयासों के सफल होने के साथ ही भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बन गया, जिससे भारत की अंतरिक्ष में लागत प्रभावी क्षमता का प्रदर्शन हुआ।
- आदित्य-एल1 मिशन सूर्य का अध्ययन करेगा, और गगनयान मिशन जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा।
- भारत उमंग और किसान रथ जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से शासन और सेवा वितरण में बदलाव ला रहा है, जबकि प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 4.6 करोड़ से अधिक लोगों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाया गया है।

वहनीयता

- भारत अब स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में दुनिया में चौथा सबसे बड़ा देश है, जहां सौर ऊर्जा क्षमता में तेजी से वृद्धि हो रही है और 1.99 रुपये प्रति यूनिट का रिकॉर्ड निम्न सौर टैरिफ हासिल किया गया है।
- ग्लोबल बायोफ्यूल एलायंस, दुनिया भर में टिकाऊ जैव ईंधन के उपयोग में अग्रणी है।
- गोबरधन योजना अपशिष्ट से ऊर्जा समाधान को प्रोत्साहित कर रही है, कृषि अपशिष्ट को बायोगैस और खाद में परिवर्तित कर रही है।
- पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से, भारत सौर ऊर्जा समाधानों से किसानों को सशक्त बना रहा है। साथ ही, वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड पहल, सौर ऊर्जा के लिए एक वैश्विक ग्रिड विकसित करने की योजना बना रही है, जिससे विश्व मानचित्र पर सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा

सुभाष राणा
शोध छात्र
समाजशास्त्र विभाग

तेरा संसार

यह कैसा है तेरा रचा संसार
अब तो दया सहानुभूति सब
लगता व्यापार
एक ही नैया से लड़ते झगड़ते
भूल गए हैं जीवन सार
कोमल सुगम रास्तों पर देखो
कैसे हो चली है
कांटो की भरमार
कैसे भूखे भेड़िए हैं
जाने कहां से आए हैं
पल-पल कर रहे हैं
किसी की इज्जत तार तार
यहां खुश है लोग
करके अपनी विरासत को शर्मसार
इस डगमगाती नैया में
मुझे ना सुहाता तेरा संसार
ले थाम मेरा हाथ और
ले चल मुझे उसे पार

निशा रावत
छात्रा संपादक
बी0ए0 पंचम सेमेस्टर

भौतिक विज्ञान: एक रोचक विषय

प्रिय विद्यार्थियों ! क्या आपने कभी सोचा है की दिन रात कैसे होते हैं ? या यदि हम खड़े हो रहे हैं

या बैठ रहे हैं या चल पा रहे हैं तो हम ऐसा कैसे कर पा रहे हैं ? वास्तव में प्रकृति और हमारे जीवन की प्रत्येक क्रिया कुछ नियमों के अंतर्गत होती है । भौतिक विज्ञान हमें इन्हीं नियमों का क्रमबद्ध अध्ययन करती है ।

यहां पर मैं कुछ ऐसी ही दैनिक क्रियाओं और उनके पीछे की भौतिकी की भी विवेचना कर रही हूं।

रात - दिन का होना और वर्ष का बदलना

हमारी पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है और अपनी धुरी पर भी घूमती है। अपनी धुरी पर घूमते हुए पृथ्वी का जो भाग सूर्य की और रहता है वहां दिन और जो भाग सूर्य की और नहीं रहता है वहां रात होती है । इसी तरह से जब पृथ्वी सूर्य के चारों ओर एक पूरा चक्कर लगा लेती है तो एक वर्ष हो जाता है ।

इंद्रधनुष का बनना

इंद्रधनुष के बनने को हम प्रकाश के वर्ण विक्षेपण से समझ सकते हैं । सूर्य का प्रकाश जब पानी की बूंदों से होकर गुजरता है तो प्रकाश का अपवर्तन और परावर्तन होता है । जिसके परिणाम स्वरूप प्रकाश अपने घटक रंगो विबग्योर (VIBGYOR) मे विभाजित हो जाता है । जिससे इंद्रधनुष बनता है ।

मोबाइल फोन में बातें करना

आप सभी मोबाइल फोन में मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते होंगे क्या आपने कभी सोचा है की मोबाइल फोन कैसे काम करता है । जब आप मोबाइल से कॉल करते हैं तो आपकी आवाज विद्युत संकेतों में बदल जाती है । फिर यह संकेत रेडियो तरंगों के रूप में पास के मोबाइल टावर तक पहुंचाते हैं । टावर इन संकेतों को प्रक्रिया करके आगे भेजता है जिससे यहां गंतव्य के टावर तक पहुंचते हैं । वहां से यह रेडियो तरंगों के रूप में आपके दोस्त के फोन तक पहुंचते हैं और उसका फोन इन्हें फिर से आवाज में बदल देता है । इस तरह आप और आपका दोस्त एक दूसरे की आवाज सुन पाते हैं।

इसके अलावा भी फिजिक्स के दैनिक जीवन में कई प्रयोग है जैसे कि बिजली के उपकरणों में , यातायात और परिवहन में, ऊर्जा के स्रोत में, कैमरे, चश्मा के शीशे में, रसोई घर में, गाड़ियों के समान में, भवन निर्माण में । इस प्रकार हम कह सकते हैं कि फिजिक्स हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है जो हमारे जीवन को सरल, सुरक्षित और उत्तम बनाने बनाने में मदद करती है ।

डॉ इंदिरा
असिस्टेंट प्रोफेसर
भौतिक विज्ञान

अतिथि की कलम से

विधिक साक्षरता

अभिप्राय- साधारण जनता को आम जीवन में आने वाली समस्याओं के सम्बन्ध में कानूनी जानकारी उपलब्ध करवाना।

उद्देश्य- सरल भाषा में कानूनी ज्ञान देना व सरल भाषा में लिखित कानूनी पुस्तकें एवं सामग्री वितरित करना।

विधिक सेवायें क्या हैं

- विधिक सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राधिकरण व ट्रिब्यूनल के समक्ष विचाराधी मामलों में पात्र व्यक्ति का कानूनी सहायता देना।

- सरकारी खर्च पर वकील उपलब्ध करवाना एवं उसकी फीस राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदाय होती है।

- मुकदमे में प्रार्थना पत्र तैयार करने की फीस, गवाहों को बुलाने का खर्च एवं अन्य खर्चे भी दिये जाते हैं।

लोक अदालत क्या है?

- विवादों को समझौते के माध्यम से सुलझाने का वैकल्पिक मंच है।
- आपराधिक मामले जिनमें समझौता गैर कानूनी है, वह सभी मामले लोक अदालत के माध्यम से निपटाये जाते हैं।
- लोक अदालत के निस्तारित मामलों के फैसलों को कानूनी आधार प्राप्त हो गया है एवं ऐसा फैसला सभी पक्षों पर अनिवार्य रूप से लागू होता है।
- लोक अदालत के फैसले के विरूद्ध किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती है।
- लोक अदालत में निस्तारित मामलों में अदा की गयी कोर्ट फीस वापस लौटायी जाती है।

लोक अदालत में मामला कैसे नियत करें:-

(1) जिस न्यायालय में आपका मामला विचाराधीन हो उस न्यायालय के पीठासीन अधिकारी से अनुरोध करें।
(2) दीवानी न्यायालय में कार्यरत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव से अनुरोध करें।
(3) लोक अदालत में वे ही मुकदमे निपटाये जा सकते हैं जिनमें मुकदमे के सभी पक्षकार सहमत हों।

कहानी पुलिस, अदालत व कानून की

हुकुम के पिता हाल ही में इस शहर में स्थानान्तरित होकर आये थे। एक दिन शाम वह हुकुम को साथ लेकर पैदल-पैदल घूमने निकले। कुछ दूर चलने पर पड़ोस में रहने वाले हुकुम के मित्र नरेष व रमन भी मिल गये। वे सभी घूमते हुए एक भवन के सामने पहुंचे, जिसके द्वार पर बंदूक लिये हुये एक संतरी खड़ा था। लोहे के बड़े दरवाजे के ऊपर लिखा था पुलिस स्टेषन।

बच्चे वहां पहुंचकर कुछ सहम से गये। हुकुम बोला, “पिताजी यहां से आगे चलिए।” पिताजी ने कहा, “बेटा पुलिस जनता व कानून की सहायता के लिये होती है। इससे तो कानून तोड़ने वाले व अपराधी लोग डरते हैं। तुम्हें डरने की क्या आवष्यकता है?” यह सुनकर द्वारपाल मुस्कराने लगा। परन्तु फिर भी उसकी बंदूक व बड़ी-बड़ी मूछें देखकर बच्चे डर रहे थे।

द्वारपाल बोला, “बच्चो घबराओ मत। पुलिस से डरने के स्थान पर तुम्हें उनकी सहायता करके अच्छा नागरिक बनना चाहिए।” उसकी बात सुनकर रोहित बोला, “क्या हम पुलिस स्टेशन को अन्दर से देख सकते हैं?” द्वारपाल ने उत्तर दिया, “यदि तुम अपना भय भगाना चाहो तो अवष्य देख सकते हो?” अनुमति पाकर हुकुम के पिता बच्चों को भवन के अन्दर ले गये।

भवन में एक ओर मोटी सलाखों के द्वार वाले दो कमरे थे, जिन पर लिखा था “पुरुष बन्दीगृह” व “महिला बन्दीगृह”। उनमें 3 पुरुष व 2 महिलाएं बन्द थी। वहां तैनात पुलिस कर्मियों से पूछने पर उन्होंने बतलाया कि इन्हें चोरी व ठगी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हुकुम समन से कहने लगा कि इनके बच्चे व परिवार वाले तो इन्हें तलाष रहे होंगे। यह सुनकर एक पुलिसकर्मी जो अधिकारी पद का लग रहा था, बोला “बच्चो किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय कानूनी तौर पर उसके परिवार के किसी वयस्क सदस्य को गिरफ्तारी की सूचना देना जरूरी है, साथ ही उसे यह भी बताया जाता है कि बन्दी बनाये गये व्यक्ति को कब व किस मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जायेगा ताकि वह चाहे तो उसे जमानत पर रिहा कराने का प्रयास कर सकते हैं। साथ ही गिरफ्तार किये गये व्यक्ति को यह बताना भी कानूनन आवष्यक है कि उसे किस अपराध के आरोप में गिरफ्तार किया जा रहा है।”

रमन व नरेश पूछने लगे, “थानेदार साहब! आप इन बंदियों को कितने दिन तक बंद रखने की सजा देंगे?” पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन्हें सजा देने का काम तो न्यायालय का है। हमारे लिये तो इन्हें गिरफ्तारी के समय से 24 घण्टे के अन्दर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश करना जरूरी है व उनके आदेष से ही इन्हें अधिक समय के लिये बन्द रख सकते हैं। तो क्या ये 24 घण्टे के बाद छूट जायेंगे? आदित्य के इस प्रष्न का उत्तर मिला, हां यदि इनकी ओर से प्रस्तुत किये गये जमानत के प्रार्थना पत्र को मजिस्ट्रेट द्वारा स्वीकार कर लिया जाता है तो जमानत पर छूट सकते हैं, वरना मजिस्ट्रेट के आदेश से पुलिस के पास या जेल में बन्द रहेंगे।

इतने में पुलिस स्टेशन पर कोतवाल साहब आ गये व पुलिस अधिकारी बच्चों को एक ओर करके उनको आवष्यक सूचनाएं देने लगे। बच्चों का कौतूहल बढ़ चुका था कि आखिर इन बन्दियों को कब तक रहना पड़ेगा तथा कौन व कैसे इन्हें इस बन्धन से मुक्त करायेगा ताकि ये अपने बच्चों से मिल सकें। हुकुम के पिता ने उनकी जिज्ञासा षान्त करते हुए कहा बच्चो यह काम वकीलों का होता है। “पर इस बन्दीगृह में इन्हें वकील मिलेंगे कैसे? हुकुम ने प्रश्न किया”। पिताजी बोले “गिरफ्तार हुए लोगों को कानूनी सलाह प्राप्त करने व अपना वकील नियुक्त कर जमानत पर छूटने का अधिकार भी कानून ने दिया है।” नरेश ने पूछा “पर यदि कोई व्यक्ति इतना निर्धन हो कि वकील की फीस नहीं चुका सके तो?” इस पर पिताजी बोले, ऐसी परिस्थिति में उस जिले के विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सरकारी खर्चे पर वकील की सेवाएं निःषुल्क दिलायी जाती हैं। यह प्राधिकरण जिला न्यायाधीस के कार्यालय में स्थापित होता है।

यही बातें चल रही थी कि काला कोट धारण किये हुए एक व्यक्ति वहां पहुंचा जिन्होंने बन्दी महिलाओं के सम्बन्ध में न्यायालय के जमानत के आदेष कोतवाल साहब के सामने प्रस्तुत किये। उन्होंने आदेषों को पढ़कर महिलाओं को बन्दीगृह से बाहर निकलवा दिया। संयोगवष वे वकील साहब हुकुम के पिता के पुराने मित्र निकले। बातचीत होने पर उन्होंने बताया कि उन्हें सरकारी खर्चे पर ही इन निर्धन महिलाओं की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किया गया था।

बच्चों को यह देखकर बहुत प्रसन्नता हुई कि अब वे महिलाएं घर जाकर पुनः बच्चों को सम्भाल सकेंगी। रमन सहानुभूतिवश कहने लगा कि ये तो सीधी-सादी महिलाएं दिखती हैं। इनसे अज्ञानतावश कोई अपराध हो गया होगा। यह सुनकर वकील साहब बोले, “बेटा, कानूनि की जाानकारी न होना उस अपराध की सजा से क्षमा पाने का कोई आधार नहीं है। यह तो प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह कानून का पर्याप्त ज्ञान रखे। अतः तुम लोग हमेषा कानूनी जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करना तांकि अज्ञानतावश भी अपराध न हो।”

हुकुम के पिता व बच्चे भी उन महिलाओं और वकील साहब के साथ बाहर आ गये। बच्चों के लिये पुलिस स्टेषन को अन्दर से देखने व इस कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी पाने का यह पहला ही अनुभव था, जो उन्हें अच्छा लगा। वे उमंग से आगे बढ़ते हुए बातें करने लगे। रमन बोला, “मैं तो बड़ा होकर पुलिस अधिकारी बनूंगा तथा अपराधियों को पकड़कर उन्हें दण्ड दिलवाऊंगा।” नरेष बोला मैं तो बड़ा होकर वकील बनूंगा तथा अपराधियों को दण्ड व निर्दोश व्यक्तियों को न्याय प्रदान करूंगा। हुकुम के पिता बच्चों की भोली बातें सुनकर प्रसन्न हो रहे थे।

संकलनकर्ता
श्रीमती हेमा पाण्डे
अधिकार मित्र
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण
अल्मोड़ा, उत्तराखंड

<u>उपलब्धियाँ</u>

माह- जून 2025

दिनांक- 6 जून 2025

महाविद्यालय में एनएसएस इकाई और स्वीप के संयुक्त प्रयास से पौधा रोपण कार्यक्रम तथा मतदान जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

दिनांक-12 जून 2025

महाविद्यालय में प्रथम सेमेस्टर में छात्र संख्या बढ़ाने के लिए स्थानीय शिक्षण संस्थानों और बाजार में किया गया प्रचार प्रसार

महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वाधान में छात्रों में कौशल विकास एवं साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता के दृष्टिगत डॉक्यूमेंट्री का किया गया निर्माण

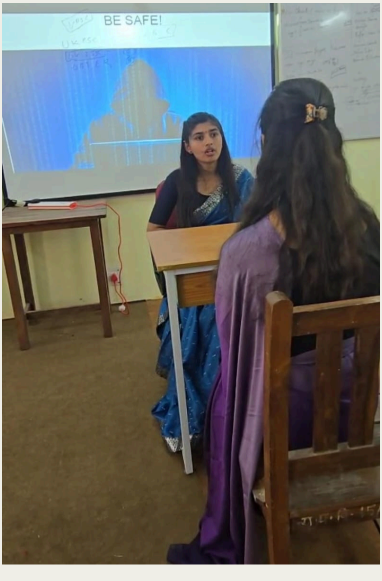

दिनांक-22 जून 2025

महाविद्यालय में एंटी ड्रग सेल के तत्वाधान में नशे के विरुद्ध एक दिवसीय हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

महाविद्यालय में एनएसएस इकाई की ओर से एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर आयोजित किया गया योगाभ्यास कार्यक्रम

दिनांक-17 जुलाई 2025

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वाधान में हरेला पर पर पौधा रोपण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

सुर्ख़ियों में महाविद्यालय

पर्यावरण दिवस

दैनिक जागरण

प्लास्टिक मुक्त और हरित अल्मोड़ा का लिया संकल्प

विश्व पर्यावरण दिवस पर अल्मोड़ा जिले में विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, साइकिल रैली और क्रास कंट्री का आयोजन

छात्रों ने रैलियों से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

जिलाधिकारी ने ड्रीम वेयर हाउस में रोपे पौधे

सिविल जज शालिनी ने कोर्ट परिसर में किया पौधारोपण

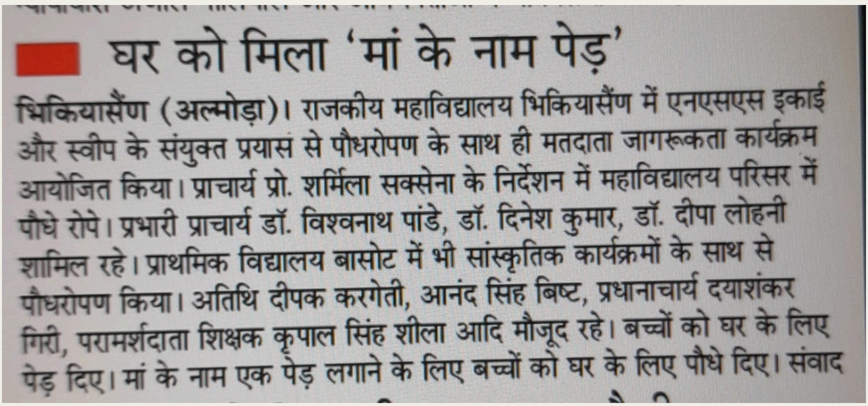

घर को मिला 'मां के नाम पेड़'

भिकियासैंण (अल्मोड़ा)। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में एनएसएस इकाई और स्वीप के संयुक्त प्रयास से पौधरोपण के साथ ही मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना के निर्देशन में महाविद्यालय परिसर में पौधे रोपे। प्रभारी प्राचार्य डॉ. विश्वनाथ पांडे, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. दीपा लोहनी शामिल रहे। प्राथमिक विद्यालय बासोट में भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ से पौधरोपण किया। अतिथि दीपक करगेती, आनंद सिंह बिष्ट, प्रधानाचार्य दयाशंकर गिरी, परामर्शदाता शिक्षक कृपाल सिंह शीला आदि मौजूद रहे। बच्चों को घर के लिए पेड़ दिए। मां के नाम एक पेड़ लगाने के लिए बच्चों को घर के लिए पौधे दिए। संवाद

छात्रसंख्या बढ़ाने के लिए चली अनूठी पहल

भिकियासैंण (अल्मोड़ा)। राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण ने छात्रसंख्या बढ़ाने के लिए अनूठी पहल की है। महाविद्यालय की टीम प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना के नेतृत्व में स्थानीय शिक्षण संस्थाओं और बाजार में निकली। इस टीम ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने की अलख जगाई।

टीम ने स्थानीय बाजार समेत पारस पुस्तकालय, जैनल बाजार, खंड शिक्षा कार्यालय, अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज भिकियासैंण, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भिकियासैंण व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदि जगहों पर कर्मचारियों, शिक्षकों, अभिभावकों, व्यापारियों व छात्र-छात्राओं से संपर्क किया और इंटर पास कर बच्चों का प्रवेश कराने को कहा।

टीम ने बीए, बीकॉम, बीएससी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने का आह्वान किया। इस प्रचार- प्रसार टीम में प्राचार्य प्रो. शर्मिला सक्सेना के साथ डॉ. विश्वनाथ पांडे, डॉ. दयाकृष्ण, डॉ. इला बिष्ट, डॉ. सुभाष चंद्र एवं पूरन सिंह जलाल शामिल रहे। संवाद

6 दैनिक जागरण हल

एक नजर

स्नातक स्तर पर प्रवेश प्रचार अभियान शुरू

संस, जागरण • भिकियासैंण : राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण के प्राचार्य प्रो . शर्मिला सक्सेना ने बताया कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर में प्रवेश को प्रचार-प्रसार अभियान शुरू हो गया है। प्राचार्य एवं प्राध्यापकों की ओर से स्थानीय बाजार, संस्थानों व स्थानीय लोगों से संपर्क कर इंटरमीडिएट कर चुके छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यहां प्रचार टीम में डा . विश्वनाथ पांडे, डा . दयाकृष्ण, डा . इला बिष्ट, डा . सुभाष चंद्र, पूरन सिंह जलाल शामिल हैं।

डॉ.प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में स्नातक प्रथम सेमेस्टर प्रवेश के प्रचार-प्रसार हेतु हुई बैठक

भिकियासैंण। डा. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में महाविद्यालय की प्राचार्य शर्मिला सक्सेना की अध्यक्षता में स्नातक प्रथम सेमेस्टर प्रवेश के प्रचार- प्रसार हेतु एक बैठक आहूत की गई। बैठक में सर्वप्रथम प्रवेश समिति के एडमिन डॉ. विश्वनाथ पांडे द्वारा समस्त आगंतुकों का स्वागत किया गया, व सभी उपस्थित लोगों से अपने पाल्यो का महाविद्यालय में स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश लेने हेतु आह्वान किया गया। इसी के साथ ही महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना ने वार्तालाप के दौरान सरकार द्वारा छात्र हित में चलाई जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति प्रोत्साहन योजना, गौरा कन्या धन योजना, निर्धन छात्रवृत्ति योजना एवं वात्सल्य योजना के बारे में भी बताया। इस अवसर पर नंदन सिंह बिष्ट, अभिभावक शिक्षक संघ के पंकज बिष्ट, पुरातन छात्र परिषद के भावेश बिष्ट,धीरज कुमार, महाविद्यालय में प्रवेश समिति के संयोजक डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. दयाकृष्ण, डॉ. गौरव कुमार, डॉ. इला बिष्ट, डॉ. दीपा लोहनी,डॉ. साबिर हुसैन, डॉ.राजीव कुमार ,डॉ. सोनम, कार्यालय से गौरव कुमार, प्रदीप कुमार सहित श्याम सुंदर, पूरन जलाल,सतीश कुमार और सुरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

स्नातक स्तर में प्रवेश के लिए अभियान शुरू

भिकियासैण। डा. प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना के नेतृत्व में स्नातक स्तर बीए, बी. कॉम, बी.एससी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए प्रचार-प्रसार अभियान शुरू हो गया है।

प्राचार्य एवं प्राध्यापकों ने भिकियासैंण बाजार, पारस पुस्तकालय, जैनल बाजार, खंड शिक्षा कार्यालय जैनल, अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज भिकियासैंण, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भिकियासैंण, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आदि स्थानों पर संपर्क कर छात्र-छात्राओं से महाविद्यालय में प्रवेश लेने की अपील की। प्रचार-प्रसार टीम में प्राचार्य सहित डॉ. विश्वनाथ पांडे, डॉ. दयाकृष्ण, डॉ. इला बिष्ट, डॉ. सुभाष चंद्र, पूरन सिंह जलाल आदि शामिल रहे।

गणाई गंगोली। राजकीय महाविद्यालय गणाई गंगोली में सत्र 2025-26 में बीए प्रथम वर्ष के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। प्रवेश समिति के संयोजक डा. नवीन चंद्र ने बताया कि प्रवेश पंजीकरण प्रक्रिया 30 जून तक चलेगी। उसके बाद मेरिट के आधार पर काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर प्रवेश दिए जायेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सिद्धेश्वर सिंह ने बताया कि इस सत्र से मुख्य विषय हिंदी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, भूगोल इतिहास, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, संस्कृत, अर्थशास्त्र के अतिरिक्त विद्यार्थियों को ऐच्छिक विषय सामान्य एच्छिक, क्षमता संवर्धन पाठ्यक्रम, कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम, मूल्य योजन पाठ्यक्रम के विषयों का चयन करना होगा। इस सत्र से विद्यार्थी 7 विषयों का अध्ययन करेंगे।

डॉ.प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया

वीएनसी मीडिया 6 जून 2025
देहरादून : डॉ एस आर चंद्रा

NEWS
नयी दुनिया। नए समाचार।
VNC MEDIA
CHANDIGARH

भिकियासैण। डाक्टर प्रताप बिष्ट राजकीय महाविद्यालय भिकियासैंण में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और स्वीप के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला सक्सेना ने इस अवसर पर सभी शुभकामनाएं दी। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत महाविद्यालय परिसर में छायादार और फलदार वृक्ष लगाए गए एवं देखभाल हेतु शपथ पत्र भरवाये गये। प्रभारी प्राचार्य डॉ. विश्वनाथ पांडे ने छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने व पौधों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया। स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने मतदान की अनिवार्यता के विषय में बताते हुए कहा कि जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण आवश्यक है,उसी प्रकार मजबूत लोकतंत्र के लिए वोट देना भी आवश्यक है। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टॉफ एवं स्वयंसेवियों द्वारा श्रमदान भी किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. विश्वनाथ पांडे की अध्यक्षता में एनएसएस प्रभारी डॉ. दीपा लोहनी एवं स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार द्वारा संयुक रूप से संचालित किया गया। उक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक,शिक्षणेत्तर कर्मचारी,स्वयंसेवी एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

मीमांसा

युवाल नोआ हरारी की नवीनतम पुस्तक नेक्सस: ए ब्रीफ़ हिस्ट्री ऑफ़ इन्फॉर्मेशन नेटवर्क्स फ्रॉम द स्टोन एज टू एआई (2024) मानव सभ्यता पर सूचना नेटवर्क्स के प्रभाव की गहरी पड़ताल करती है। हरारी बताते हैं कि किस तरह मौखिक परंपराओं, धार्मिक मिथकों और लेखन से लेकर मुद्रण, डिजिटल मीडिया और आज की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) तक, सूचना के प्रवाह ने न केवल तथ्यों का आदान-प्रदान किया, बल्कि मानव मूल्यों, विश्वासों और सत्ता संरचनाओं को भी गढ़ा।

पुस्तक की खासियत यह है कि यह इतिहास, दर्शन और नैतिकता को जोड़ते हुए व्यापक और समकालीन दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। हरारी यह चेतावनी देते हैं कि वर्तमान सूचना प्रणाली और AI का प्रसार, यदि नियंत्रित न किया गया, तो नए प्रकार के दुरुपयोग और अधिनायकवाद को जन्म दे सकता है। विशेषकर तब, जब AI मात्र उपकरण न रहकर स्वयं निर्णय लेने वाला एजेंट बन जाए।

हालाँकि पुस्तक पर आलोचनाएँ भी हैं। कुछ समीक्षक मानते हैं कि हरारी ने ठोस नीतिगत सुझावों की कमी छोड़ दी है और पूँजीवाद जैसे आर्थिक ढाँचों पर अपेक्षित चर्चा नहीं की। इसके अलावा, वे खतरों पर अधिक बल देते हैं, जबकि AI की संभावनाओं पर संतुलित दृष्टिकोण अपेक्षित था।

फिर भी, नेक्सस एक गंभीर चेतावनी और मार्गदर्शन देने वाली कृति है। यह भविष्यवाणी नहीं करती, बल्कि पाठकों को सोचने पर विवश करती है कि हम किस प्रकार का भविष्य गढ़ना चाहते हैं।

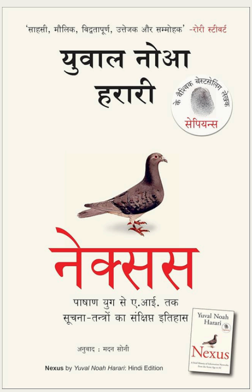

डा० परितोष उप्रेती
सह-सम्पादक
ई पत्रिका - गगास

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य

प्रो॰ (डॉ॰) शर्मिला सक्सेना

प्राध्यापक वर्ग

अर्थशास्त्र विभाग
डॉ॰ विश्वनाथ पाण्डेय
(असि॰ प्रोफेसर)

हिन्दी विभाग
डॉ॰ सुभाष चन्द्र आर्य
(असि॰ प्रोफेसर)

राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ॰ दिनेश कुमार
(असि॰ प्रोफेसर)

इतिहास विभाग
डॉ॰ दीपा लोहनी
(असि॰ प्रोफेसर)

समाजशास्त्र विभाग
डॉ॰ इला बिष्ट
(असि॰ प्रोफेसर)

अंग्रेजी विभाग
डॉ॰ कौशल कुमार
(असि॰ प्रोफेसर)

भूगोल विभाग
डॉ॰ पारितोष उप्रेती
(असि॰ प्रोफेसर)

वाणिज्य विभाग
डॉ॰ गौरव कुमार
(असि॰ प्रोफेसर)
डॉ॰ राजीव कुमार
(असि॰ प्रोफेसर)

वनस्पति विज्ञान विभाग
डॉ॰ सोनम
(असि॰ प्रोफेसर)

जन्तु विज्ञान विभाग
डॉ॰ दयाकृष्ण
(असि॰ प्रोफेसर)

रसायन विज्ञान विभाग
डॉ॰ साविर हुसैन
(असि॰ प्रोफेसर)

भौतिकी विज्ञान विभाग
डॉ॰ इंदिरा
(असि॰ प्रोफेसर)

कार्यालय

श्री गौरव कुमार
(कनिष्ठ लिपिक)

श्री प्रदीप कुमार (उपनल)
(कनिष्ठ लिपिक)

प्रयोगशाला सहायक

श्री बिरेन्द्र राम
(जन्तु विज्ञान)

श्री शेरसिंह
(भौतिक विज्ञान)

अनुसेवक

श्री पूरन जलाल (उपनल)

श्री श्याम सुन्दर (उपनल)

श्री सुरेश कुमार (उपनल)

श्री सतीश कुमार (उपनल)

Info Desk

College Website- https://gdcbhikiyasain.in/

College Fb ID- https://www.facebook.com/photo/?fbid=525965566878099&set=a.525965573544765

College Youtube - UCV7z6yOzKf2rhW4jz9qzBfA

SSJU Website- https://www.ssju.ac.in/

Routes to Roots- https://r2rdigital.routes2roots.com/

Skill Development Programme-
https://www.msde.gov.in/

Anti-Ragging-
https://www.antiragging.in/affidavit_affiliated_form.php

Anti Drug-
https://pledge.mygov.in/fightagainstdrugabuse/